Ans. Fiedler का प्रासंगिक सिद्धांत (Fiedler's Contingency theory) :—

Fiedler (1964, 1971) ने नेतृत्व के प्रासंगिक सिद्धांत का प्रतिपादित किया। उनके सामने मुख्य समस्या यह थी कि नेतृत्व की प्रभावशीलता, नेतृत्व के प्रकार पर निर्भर करती है या परिस्थितप इन्होंने अपने शोधकार्य के आधार पर निष्कर्ष निकाला कि नेतृत्व की प्रभावशीलता को निर्धारित करने में नेतृत्व-प्रकार तथा समूह-परिस्थिति दोनों का हाथ होता है। एक प्रकार का नेता समूह-मनोबल को उन्नत बनाने में अधिक सफल हो सकता है और दूसरे प्रकार का नेता समूह-उत्पादकता को बढ़ाने में अधिक प्रभावशाली हो सकता है। अतः नेतृत्व की प्रभावशीलता की समुचित व्याख्या तथा भविष्यवाणी (Prediction) के लिए नेतृत्व-प्रकार तथा परिस्थिति-विशेषताओं दोनों का ध्यान रखना आवश्यक है।

I परिस्थिति-विशेषतायें (Characteristics of the Situation):

Fiedler के अनुसार, कौन प्र[illegible] नेता होगा, यह इस बात पर आधारित है कि समूह-[illegible] किस हद तक उसके अधिकार या प्रभुत्व (dominance) स्वीकृति

Merits :—

① यह सिद्धांत कई प्रयोगात्मक प्रमाणों पर आधारित है। Fiedler ने स्वयं अनेक परिस्थितियों में प्रयोग करके इस सिद्धांत की सार्थकता को प्रमाणित किया।

② इस सिद्धांत में प्रमाणीकरण (verification) का गुण पाया जाता है। कई मनोवैज्ञानिकों ने अपने अध्ययनों के आधार पर इस सिद्धांत का समर्थन किया है। (Chemers & Skrzypek (1972) & Hardy 1976)।

③ Schein (1980, 1983) के अनुसार इस सिद्धांत का एक गुण यह है कि, यह सिद्धांत नेतृत्व के 3 आवश्यक संघटकों (components) अर्थात् नेता, अनुयायी & कार्य पर पूरा-पूरा ध्यान देता है। इन तीनों संघटकों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि व्यक्ति के नेतृत्व प्रकार में परिवर्तन लाना कठिन है। अतः नेतृत्व की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने अनुकूल परिस्थिति की खोज करे या परिस्थिति को अपने अनुकूल बना ले।

Limitations :—

कई गुणों के बावजूद Fiedler के सिद्धांत में कई त्रुटियाँ भी हैं :—

① Mitchell आदि के अनुसार यह सिद्धांत कार्य-उन्मुख व्यक्ति (Low- LPC) तथा समूह-उन्मुख व्यक्ति (High-LPC) के विशिष्ट व्यवहारों को निर्धारित करने में पूरी तरह सफल नहीं है। Fiedler के अनुसार low LPC का व्यक्ति कार्य-उन्मुख होता है। लेकिन कुछ अध्ययनों में High LPC की अपेक्षा low PLF 3 लोगों में सामाजिक संवेदनशीलता अधिक पाई गयी है इसकी व्याख्या यह सिद्धांत नहीं कर पाता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि नेतृत्व-समस्या के समाधान

इस प्रकार स्पष्ट है कि Fiedler के अनुसा[illegible] सफल तथा प्रभावशील नेतृत्व के लिए अधिकतम अनुकूल परिस्थितियाँ वे हैं जहाँ नेता तथा समूह के बीच बहुत अ[illegible] सम्बन्ध हो, समूह का कार्य स्पष्ट तथा पूर्ण परिभाषित तथा नेता को पर्याप्त स्वीकृति अधिकार या शक्ति प्राप्त हो।

नेतृत्व के प्रकार (Leadership Styles) :—

Fiedler के अनुसार सफल नेतृत्व के लिए समूह-परिस्थिति के साथ-साथ नेतृत्व के प्रकार पर वि[illegible] करना भी आवश्यक है। Fiedler (1971) ने कई [illegible] (Bales, 1953, Bales & Slater 1955) से प्राप्त परिमाणों के आधार पर नेतृत्व को 2 प्रकार में विभाजित किया गया :—

(i) कार्य-उन्मुख नेतृत्व (Task Oriented leaders[illegible]

(ii) समूह-उन्मुख नेतृत्व (Group Oriented leaders[illegible]

कार्य-उन्मुख तथा समूह उन्मुख नेतृत्व आलोक में Fiedler ने नेतृत्व को मापने के लिए एक द्विध्रुवीय मापनी का निर्माण किया। इस मापनी को सबसे क[illegible] पसन्द किया जानेवाला सहकर्मी LPC (Least preferre[illegible] Co-worker) मापनी कहते हैं।

Fiedler के अनुसार कार्य-उन्मुख नेता (Low-L[illegible] सबसे अधिक सफल एवं प्रभावशील उन परिस्थितियों में ह[illegible] है जो या तो अधिक अनुकूल या प्रतिकूल हो[illegible] इस[illegible] विपरित समूह उन्मुख नेता (High-LPC[illegible] अनु[illegible] परिस्थितियों में अधिक सफल तथा प्रभावशाली सिद्ध होता